**Today’s Poem – 30.09.2014**

**तुम बेहद के बाप पास आये हो विकारी से निर्विकारी बनना**

**इसलिए तुम्हारे में कोई भी भूत नहीं होना**

**मनुष्य को राजाई पद देने की पढ़ाई इस समय सुप्रीम बाप ही पढ़ाते**

**यह नई पढ़ाई सारे कल्प में नहीं पढ़ाई जाती**

**स्वयं भगवान टीचर बनकर पढ़ाते हैं इसलिए अच्छी रीति पढ़ना**

**स्कॉलरशिप लेने के लिए पवित्र बनकर दूसरों को पवित्र बनाने की सेवा करना**

**अन्दर में काम, क्रोध आदि के जो भी भूत प्रवेश हैं, उन्हें निकालना**

**एम ऑबजेक्ट को सामने रखकर पुरूषार्थ करना**

**जिनकी नज़रों में बाप है उन्हें माया की नज़र लग नहीं सकती**

**ओम् शान्ति**

**मेरा बाबा**

****